क्लाउड लॉरेन (**Claude Lorrain**)

क्लाउड लॉरेन (Claude Lorrain) (1600–1682) फ्रांसीसी मूल के एक महान परि श्य चत्रकार थे, जिन्होंने अपना अ धकतर जीवन इटली में व्यतीत कया और जिनकी चत्रकला ने परि श्य को एक आत्मिक और सौंदर्यात्मक अनुभव में रूपांतरित कया। वे उस काल के कलाकारों में से थे जिन्होंने परि श्य को केवल पृष्ठभू म न मानकर उसे चत्रकला का केंद्रीय वषय बनाया। Claude की कला में प्रकृति, प्रकाश और शांति का ऐसा सम्मिलन मलता है क उनकी कृतियाँ श्य न होकर जैसे कसी स्वप्नलोक की खड़की प्रतीत होती हैं।

उनकी कला की प्रमुख वशेषता उनकी वातावरणीय परिप्रेक्ष्य *atmospheric perspective* और प्रकाश *luminous light* की तकनीक है। उन्होंने चत्रों में प्रकाश का ऐसा सूक्ष्म प्रयोग कया जिससे श्य कोमल, स्वप्निल और दिव्य प्रतीत होता है। सूर्य की करणें, धुंध से भरे मैदान, जलरा श पर पड़ती सुनहरी रोशनी और क्षतिज में लहराते बादल उनकी कला की पहचान बन चुके हैं।

उनका परि श्य शास्त्रीय था — नाटकीय या असंतु लत नहीं, बल्कि अनुशा सत और आदर्श। वे अक्सर अपने परि श्य में पौरा णक या बाइबिल कथाओं की सूक्ष्म घटनाएँ रखते थे, कंतु उनका वास्त वक वषय प्रकृति की शांति, गहराई और सौंदर्य ही होता था। उनकी संरचना सामान्यतः तीन स्तरों में होती थी — अग्रभू म में वृक्ष या स्थापत्य, मध्य में मानवीय गति व धयाँ और पृष्ठभू म में वस्तृत क्षतिज व आकाश।

महत्वपूर्ण कृतियाँ

Seaport with the Embarkation of the Queen of Sheba
यह उनकी प्र सद्ध रचनाओं में से एक है, जिसे 1648 में तैयार कया गया था। इस चत्र में Biblical कथा का संदर्भ लया गया है, जिसमें शबा की रानी राजा सोलोमन से मलने जा रही हैं। परंतु चत्र का वास्त वक नायक समुद्र तट का श्य, रोशनी का प्रवाह और हवाओं से लहराते पाल हैं। सूर्योदय के समय जल पर पड़ती सुनहरी रोशनी और वस्तृत आकाश इस चत्र को एक आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करते हैं।

Pastoral Landscape with the Arch of Titus
इस चत्र में रोमन स्थापत्य और ग्रामीण जीवन को एक साथ दिखाया गया है। Claude ने यहाँ ऐतिहा सकता को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ समाहित कर एक संतु लत चत्र प्रस्तुत कया है। प्राचीन खंडहरों के माध्यम से उन्होंने सभ्यता के वनाश और प्रकृति की अमरता को रूपायित कया।

Landscape with Aeneas at Delos

यह चत्र वर्जिल की काव्यकृति *Aeneid* पर आधारित है। Aeneas और उसके साथी डेलोस द्वीप पर पहुंचे हैं, परन्तु Claude का ध्यान पौरा णक चरित्रों से अ धक उस पृष्ठभू म पर है, जो श्य को कालातीत बनाती है। यहाँ प्रकृति केवल परिवेश नहीं, बल्कि एक द्रष्टा के रूप में उपस्थित है।

Landscape with Ascanius Shooting the Stag of Sylvia

इस चत्र में मथकीय कथा और प्रकृति के बीच तनाव का संतुलन Claude ने अद्भुत रूप से साधा है। यद्य प Ascanius का कार्य एक केंद्रीय घटना है, परंतु चत्र का भाव प्रकृति की शांत सरिता, फैले हुए वृक्ष और सुनहरे आकाश में रचा-बसा है। यह चत्रकार की ष्टि का प्रमाण है क वह कथा को प्रकृति में वलीन कर देता है।

क्लाउड लॉरेन की रेखांकन परंपरा

क्लाउड लॉरेन ने अपने अ धकांश चत्रों के लए वस्तृत स्केच और ड्रॉइंग बनाए, जिन्हें *Liber Veritatis* (सत्य की पुस्तक) में संक लत कया गया। यह संग्रह आज उनके समर्पण और कलात्मक प्र क्रया का दस्तावेज माना जाता है। वे अपने प्रत्येक चत्र के पूरा होने के बाद उसका स्केच बनाते थे ता क नकल न हो सके। यह कला इतिहास का एक दुर्लभ उदाहरण है जहाँ चत्रकार के द्वारा अपने कार्य का व धवत अ भलेख कया गया।

क्लाउड लॉरेन का प्रभाव अत्य धक व्यापक रहा। इंग्लैंड के चत्रकार जैसे J.M.W. Turner और John Constable ने Claude की प्रकृति के साथ प्रकाश और आकाश के सम्मिलन से गहरी प्रेरणा ली। 18वीं और 19वीं शताब्दी में यूरोप में जब भी कसी आदर्श परि श्य की कल्पना की जाती थी, तो वह Claude के चत्रों की ही प्रतिध्वनि होती थी। Turner ने तो Claude के एक चत्र के साथ अपने चत्र को National Gallery में प्रद र्शत करने की शर्त रखी थी, यह दर्शाता है क Claude उनके लए कतने प्रेरणास्रोत थे।

उन्होंने चत्रकला के माध्यम से प्रकृति को दार्शनिक और सौंदर्यात्मक अनुभव में रूपांतरित कया। उन्होंने परि श्य चत्रकला को एक नया दर्जा दिया — उसे केवल पृष्ठभू म से उठाकर एक आत्मीय वषय बना दिया। उनकी कृतियाँ आज भी Louvre, Hermitage और National Gallery जैसे वश्वप्र सद्ध संग्रहालयों में सुर क्षत हैं, और जब भी सूर्य की सुनहरी करणों से आलो कत कसी परि श्य की कल्पना की जाती है, क्लाउड लॉरेन का नाम अनायास ही स्मरण में आता है।